मनसा सेवा - 23

➢➢ श्रेष्ठ कर्म कौन से हैं ?

➳ _ ➳ जिससे स्वयं के और दूसरों के चरित्र का निर्माण हो

➳ _ ➳ श्रीमत के आधार पर किये गए कर्म

→ बाप को फॉलो कर किये गए कर्म

➳ _ ➳ अपने चाल चलन से दूसरों को INSPIRE करना

→ सदैव स्मृति में रखें :- "जैसा कर्म मैं करूंगा, मुझे देखकर और करेंगे"

→ अपने कर्म से दूसरों में गुणों का दान करना

→ अपने कर्म से दूसरों में उमंग उत्साह भरना

➳ _ ➳ निस्वार्थ भाव / निष्काम भाव से किये गए कर्म

→ बिना आसक्ति के

→ दातापन की भावना हो

→ बिना फल की इच्छा के

→ नेकी कर दरिया में डाल की भावना.. भूल जाओ बाद में सब कुछ

→ Detatched भाव से

➳ _ ➳ योग युक्त स्थिति में किये गए कर्म

➳ _ ➳ साक्षी भाव में किये गए कर्म

➳ _ ➳ त्रिकालदर्शी स्थिति / आत्मा अभिमानी / स्वमान में स्थित होकर / Alert होकर किये गए कर्म

→ जिसके लिए बाप में पश्चाताप न करना पड़े

→ अपनी अंतरातमा / विवेक की आवाज़ को न मारें

→ टोल मोल कर किये गए कर्म

→ कर्मों की गुह्य गति को समझकर, कर्म के परिणाम को पहले ही जानकार , सोच समझकर कर्म करना

→ नया हिसाब किताब न बने

➳ _ ➳ सुख देने वाले कर्म

→ स्वयं को और दूसरों को संतुष्ट करने वाले कर्म

➳ _ ➳ ख़ुशी और शांति से किये गए कर्म

➳ _ ➳ निमित भाव / निरहंकारी भाव / नम्रता / प्यार / Regard / शुभ भावना / सेवा भाव से किये गए कर्म

→ कर्तापन की भावना न हो

→ मैं तो सिर्फ एक माध्यम हूँ ... कर तो वो रहा है

→ नल तो सिर्फ एक माध्यम है... पानी तो टंकी से आ रहा है

➳ _ ➳ यह स्मृति में रखें

→ मैं विश्व स्टेज पर हूँ

→ बाबा और विश्व की सभी आत्माएं मुझे देख रही हैं

→ ALWAYS REMEMBER :- I AM UNDER CCTV CAMERA

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 17 & 18 Of Mansa Sewa Book

---